भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. +1252
शनिवार, 19 सितम्बर, 2020/28 भाद्रपद, 1942 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

बौद्ध गलियारे का विकास

+1252. श्री नामा नागेश्वर रावः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तेलंगाना से आंध्र प्रदेश तक महत्वपूर्ण ''बौद्ध गलियारे'' को विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या तेलंगाना राज्य सरकार ने बौद्ध गलियारे के निर्माण की सिफारिश की है और वह विगत तीन वर्षों से केन्द्र सरकार के पास लंबित है;

(ग) क्या सरकार तेलंगाना राज्य द्वारा प्रस्तावित बौद्ध गलियारे के शीघ्र कार्यान्वयन पर विचार कर रही है;

(घ) क्या उपरोक्त परियोजना के लिए कोई बजट/निधि आवंटित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या इसे तेलंगाना में ''बौद्ध पर्यटन स्थल'' के रूप में विकसित किया जाएगा; और

(च) इस महत्वपूर्ण पर्यटन परियोजना द्वारा कितना रोजगार सृजित किए जाने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (च): पर्यटन स्थलों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ शासित प्रशासन का दायित्व है। पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत योजनाबद्ध और प्राथमिकता प्रदत्त तरीके से देश में चयनित थीमेटिक परिपथों में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश के प्रशासनों के परामर्श से विकासार्थ परियोजनाओं की पहचान की जाती है और उन्हें धन की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने, योजना के दिशानिर्देशों का पालन करने और पहले जारी किए गए धन का उपयोगिता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की शर्त पर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय को जनवरी, 2018 में 'तेलंगाना में एकीकृत बौद्ध परिपथ के विकास' के लिए तेलंगाना राज्य सरकार से एक परियोजना प्राप्त हुई थी। तथापि, स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय ने तेलंगाना राज्य और आंध्र प्रदेश में निम्नलिखित परियोजनाओं को पहले ही स्वीकृति प्रदान कर दी है :

राज्य/स्वीकृति का वर्ष	थीम	परियोजना का ब्यौरा	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
तेलंगाना 2015-16	इको परिपथ	महबूबनगर जिले (सोमाशिला, सिंगोतम, कदलीवनम, अक्कामहादेवी, ईगलानपंटा, फ़रहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेतीर्थम) परिपथ का विकास	91.62
तेलंगाना 2016-17	जनजातीय परिपथ	मुलुगु -लखनावरम- मेदावरम- तड़वई- दमारवी- मल्लूर- बोगाथा झरने का एकीकृत विकास	79.87
तेलंगाना 2017-18	विरासत परिपथ	विरासत परिपथ का विकास कुतुब शाही हेरिटेज पार्क-पैगाह मकबरा-हयातबक्शी मस्जिद-रेमण्ड का मकबरा	96.90
आंध्र प्रदेश 2014-15	तटीय परिपथ	काकीनाडा - होप द्वीप - कोरिंगा वन अभ्यारण्य - पसारलापुडी - अडुरु - एस यनम- कोटिपल्ली परिपथ का विकास	67.84
आंध्र प्रदेश 2015-16	तटीय परिपथ	नेल्लोर, पुलिकट झील, उबलंबादुगु जलप्रपात, नेलपट्टु बर्ड सैंक्चुअरी, मिपाडू बीच, रामातीर्थम का विकास	59.7
आंध्र प्रदेश 2017-18	बौद्ध परिपथ	आंध्र प्रदेश में स्वदेश दर्शन योजना के तहत बौद्ध परिपथ: शालीहुंडम-थोटलकोंडा- बाविकोंडा- बोज्जन कोंडा- अमरावती- अनूपू में बौद्ध परिपथ का विकास	52.34

स्वदेश दर्शन के अन्तर्गत पर्यटक परिपथों के विकास का उद्देश्य चयनित पर्यटक गंतव्यों पर अवसंरचनात्मक सुविधाएं बढ़ाना है जिससे कि स्थानीय समुदायों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से रोजगार सृजन हो और रोजगार सृजन तथा आर्थिक विकास में इसके प्रभाव के लिए पर्यटन सम्भावना का दोहन किया जा सके।

****